कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) ----------

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में - ----------

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी [✓] अंग्रेजी [ ]

विषय ..... गृह विज्ञान .....

परीक्षा का दिन ..... मंगलवार .....

दिनांक 23-06-2020

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निदश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 167/2020

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

शिक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(खण्ड- अ)

1. जनसंख्या दिवस "11 जुलाई" को मनाया जाता है।

2. स्त्री जननांगों के परिपक्व होने का पहला सूचक "मासिक स्त्राव" है।

3. संदूषित जल के सेवन से होने वाली दो बीमारियाँ –
(i) "हैजा"
(ii) "पेचिस"

4. "पूरक आहार" :-
शिशु को माँ के दुध के अतिरिक्त दिया जाने वाला आहार जैसे- सेब का रस, खीर आदि पूरक आहार कहलाते हैं।

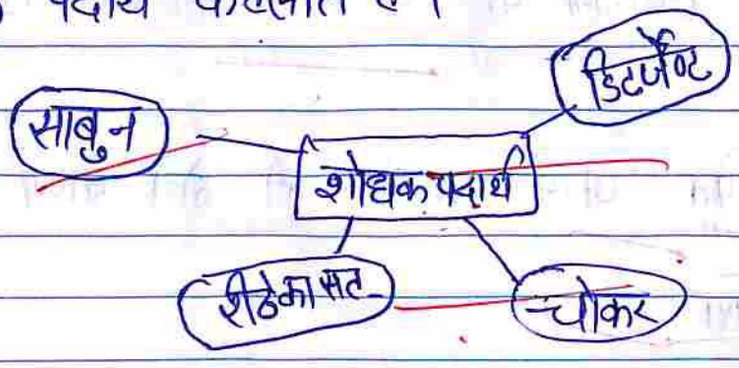
6. संदर्भ इकाई :-
संदर्भ इकाई से तात्पर्य- खाद्य पदार्थ की उस कम-से-कम मात्रा से है, जो उस व्यंजन बनाने के लिए चाहिए।
जैसे- दाले - 50 ग्राम
~~अन्वस्था~~ - 2०
हरी सब्जियां - 100 ग्राम

7. एपिडेमिक ड्रॉप्सी के दो लक्षण -
(i) पैर की शिराओं में पानी भरना व फिर फुल जाना।
(ii) त्वचा पर चकते बनना।

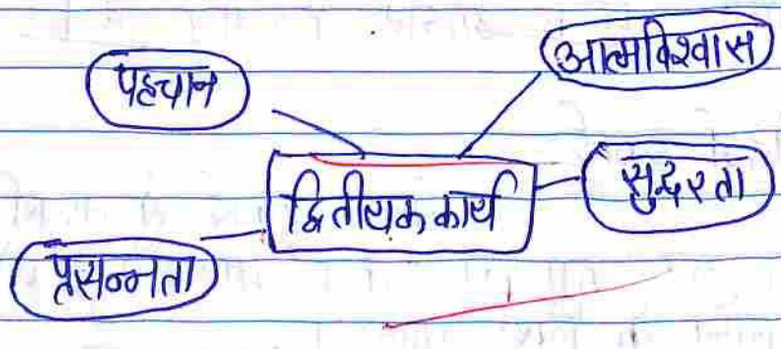
8. स्लाइड प्लेट → यह मशीन स्टील की प्लेट है, इसे खिसकाने से फिरनी को निकाला व डाला जा सकता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

9. **शोधक पदार्थ :-**
वे पदार्थ जो वस्त्रों से गन्दगी व धूल हटाकर, उन्हें साफ व स्वच्छ बनाते हैं, शोधक पदार्थ कहलाते हैं।



10. **वस्त्र के द्वितीयक कार्य :-**



11. **विनियोग :-**
जब बचत पर कुछ ब्याज या लाभ प्राप्त होता है, उसे विनियोग कहते हैं।

विनियोग = बचत + ब्याज

12. गॉस व क्रेण्डल के अनुसार पारिवारिक आय वह आय है, जो एक परिवार को श्रम द्वारा निश्चित समय में प्राप्त होती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

13. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के दो उद्देश्य :-

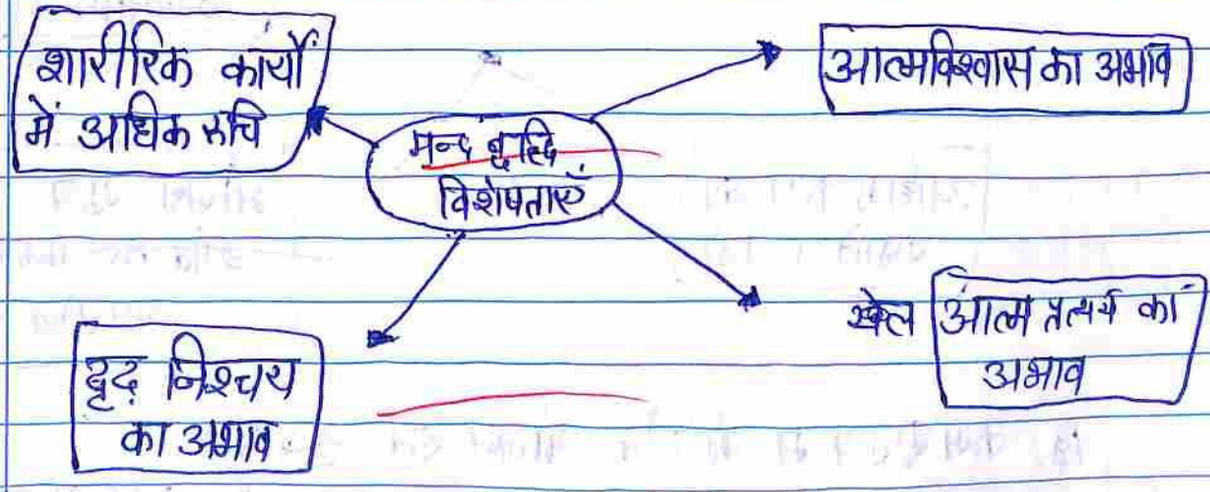
उद्देश्य

- उपभोक्ता को वस्तु की सम्पूर्ण जानकारी दिलवाना
- उपभोक्ता के साथ धोखाधड़ी खत्म करना।

14. ~~भय~~ अ

15. मंद बुद्धि बच्चों की विशेषताएँ :-

मन्द बुद्धि बच्चों की प्रमुख चार विशेषताएँ निम्न हैं-



17. धात्री महिला के आहार में पारम्परिक दवाइयों का महत्व :-

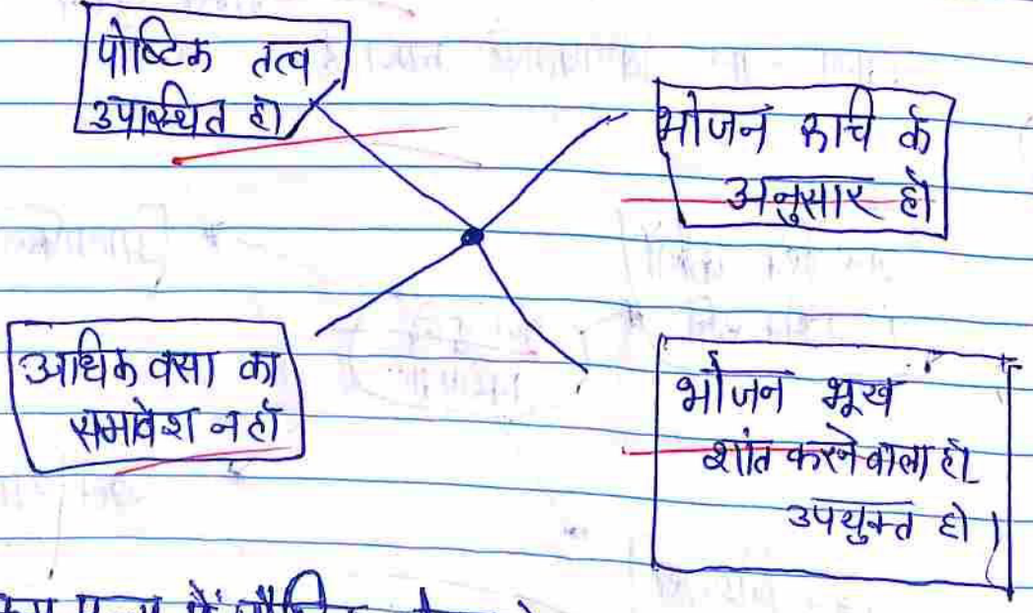
धात्री महिला के आहार में पारम्परिक दवाईयों का महत्व निम्न हैं-

- पारम्परिक दवाइयाँ जैसे - गोंद, अजवायन, गुड़ के लड्डु, खसखस आदि से शरीर को ऊर्जा प्राप्त होती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

- पारम्परिक दवाईयों के कारण गर्भाशय अपनी अवस्था पुनः प्राप्त कर लेता है।
- महिला के शरीर के अंग सुचारू व व्यवस्थित रूप में आ जाते हैं।
- शिशु को भी पोषण मिलता है।
- बत्तीसा एक पारम्परिक दवाई है जो बत्तीस जड़ी-बूटियों से मिलकर बनता है, महिला के लिए इसका विशेष महत्व है।

18. विद्यालय जाने वाले बच्चों का आहार आयोजन में ध्यान रखने योग्य बातें :-



19. कम मूल्य में पौष्टिक भोजन हेतु सुझाव :-

कम मूल्य में पौष्टिक भोजन हेतु चार सुझाव निम्न है -

(i) दालों को भिगोकर व अंकुरित करके खाना चाहिए जिससे प्रोटीन प्राप्त होता है।
(ii) मौसमी फलों को खरीदना चाहिए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(iv) सब्जियों के हरे पत्तों का भी उपयोग करना चाहिए जिसमें भरपूर मात्रा में पोष्टिक तत्व होते हैं।

(v) दही व छाछ, दूध का अधिक उपयोग करना जिससे कैल्शियम प्राप्त होता है व हड्डियों व जोड़ो के लिए लाभदायक है।

उपर्युक्त तरीके अपनाकर कम मूल्य में पौष्टिक भोजन प्राप्त किया जा सकता है।

20. **ज्वर से पीड़ित व्यक्ति का आहारीय प्रबन्धन :-**

ज्वर से पीड़ित व्यक्ति का आहारीय प्रबन्धन निम्न प्रकार करेंगे -

(i) तरल पेय पदार्थों का अधिक समावेश करेंगे।

(ii) ज्वर से पीड़ित व्यक्ति को खाने में दलिया व खिचड़ी देना चाहिए, जिसका पाचन सरलता से हो जाये।

(iii) तला भूना व गरिष्ठ भोजन नहीं देंगे।

(iv) 5-6 बार थोड़ी-थोड़ी मात्रा में भोजन देंगे, एक साथ अधिक भोजन नहीं देंगे।

(v) ज्वर से पीड़ित व्यक्ति को O.R.S. का घोल भी देंगे।

21. **वस्त्र से चिकनाईयुक्त धब्बे छुड़ाना :-**

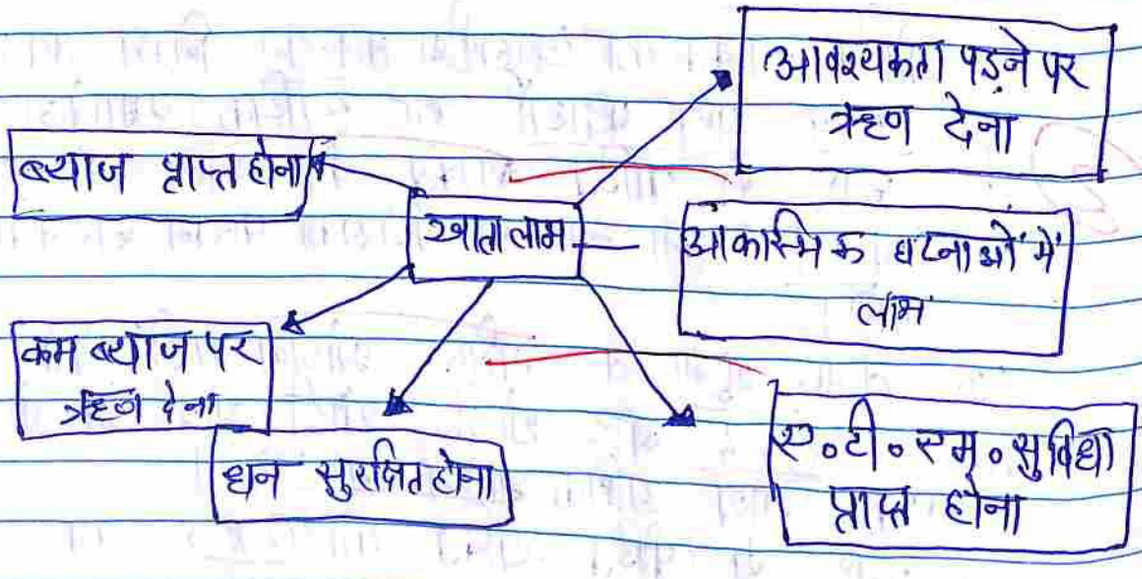
चिकनाईयुक्त वस्त्र के धब्बे छुड़ाने के लिए अवशोषक पदार्थ (ब्रेड, रोटी का चूरा, पावरोटी, मैदा) का उपयोग कर निम्न प्रकार छुड़ायेंगे -

(i) सर्वप्रथम, धब्बे पर ऊ के नीचे ब्लॉटिंग पेपर रखकर अवशोषक पदार्थ लगा देंगे।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(ii) अवशोषक पदार्थ लगाने के बाद कुछ देर रहने दें व धूप में सुखा देंगे।
(iii) इससे धब्बा साफ हो जायेगा।
(iv) यदि धब्बा नहीं छूटता तो रासायनिक पदार्थों का उपयोग करेंगे।

22. **बैंक खाता खोलने के लाभ :-** बैंक में खाता खोलने के निम्न लाभ हैं-



23. **घरेलू हिसाब - किताब की दो विधियाँ :-** घरेलू हिसाब - किताब की दो विधियां निम्न हैं-

(i) **पृष्ठ विधि :-** पृष्ठ विधि के अन्तर्गत एक पृष्ठ पर पूरे सप्ताह या माह का हिसाब लिखकर, गेट पर लटका देंगे, तथा जो खर्चा होगा, उस पर निशान लगायेंगे।

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

शिक्षा -
भोजन -
वस्त्र -
आवास -
अन्य मनोरंजन -

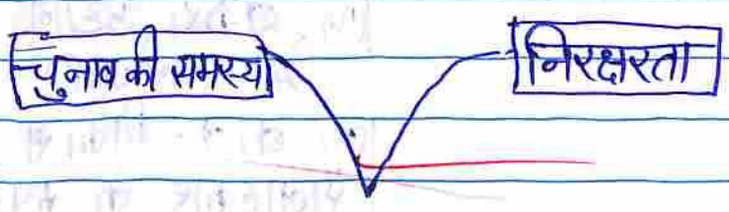
चित्र = पृष्ठ विधि

(iii) नोटबुक विधि :-

नोट बुक विधि के अन्तर्गत पूरे माह या, वर्ष का हिसाब- किताब एक नोटबुक में लिखेंगे। इसे किसी सुरक्षित स्थान पर रखना है। जो भी गणित खर्चा होगा उसे भरते रहना है।

24. उपभोक्ता की दो समस्याएँ :-

उपभोक्ता की प्रमुख दो समस्याएँ निम्न हैं -



(i) निरक्षरता :-

निरक्षर उपभोक्ता वह है, जिसे वस्तु सम्बन्धी जानकारी जैसे- कहा से, कब व क्या खरीदना है, जानकारी नहीं होती व लेबल, मानक पढ़ने नहीं आते।

(ii) चुनाव की समस्या :-

आजकल बाजार में एक वस्तु के अनेक ब्राण्ड उपलब्ध है, जिससे उपभोक्ता समस्या में पड़ जाता है।

जैसे- साबुन के विभिन्न ब्राण्ड।

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

29.

27. **स्वरोजगार :-**

व्यक्ति जब घर पर ही कुटीर उद्योग स्थापित कर रोजगार शुरू करता है, इसे स्वरोजगार कहते हैं।

- **खाद्य एवं पोषण में स्वरोजगार के अवसर :-**

खाद्य एवं पोषण में स्वरोजगार के निम्न अवसर हैं-

व्यवसाय	स्वरोजगार के अवसर
खाद्य एवं पोषण	(i) बेकरी स्टोर की स्थापना (ii) होटल में प्रबन्धनी के रूप में (iii) पोषण के उपदेशक रूप में। (iv) बेकरी उद्योग में स्वरोजगार (v) बाल-विकास सलाहकार के रूप में (i) पोषण की जानकारी अधिकारी (ii) घर पर बेकरी व केकरी स्थापना

घर पर स्वरोजगार स्थापित कर निम्न दो तरीकों से माल विक्रय किया जा सकता है—

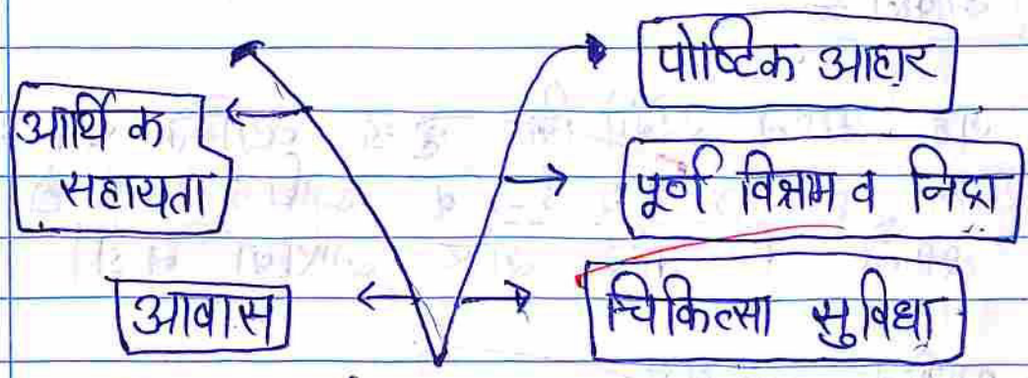
- प्रतिष्ठित व्यापारी को बेचना।
- स्वयं बेचना

BSER-16/7/2020

शिक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

28 **वृद्ध व्यक्ति की देखभाल :-**

एक वृद्ध व्यक्ति की देखभाल निम्न प्रकार की जा सकती है-



(i) पौष्टिक आहार :-

वृद्ध व्यक्ति के आहार में सम्पूर्ण पोष्टिक तत्वों का समावेश होना चाहिए।

- आहार ठोस न हो।
- तला-भुना व मिर्च-मसाले युक्त न हो।
- आमाशय की आंत कमजोर होने के कारण भोजन आसानी से नहीं पचता इसलिए दलिया, खिचड़ी जैसे आहार दें।

(ii) पूर्ण विश्राम व निद्रा :-

- वृद्ध व्यक्ति को विश्राम की अधिक आवश्यकता होती है, क्योंकि शरीर में टूट-फूट के कारण कमजोरी होती है।
- वृद्ध व्यक्ति को 7-8 घण्टे निंद लेने दें इससे वह स्वस्थ महसुस करता है।

(iii) चिकित्सा सुविधा :-

- वृद्ध व्यक्ति को नियमित चिकित्सा सुविधा।

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

प्राप्त हो।
- चिकित्सक के परामर्शानुसार दवाइयाँ देंगे।

(iv) आवास :-

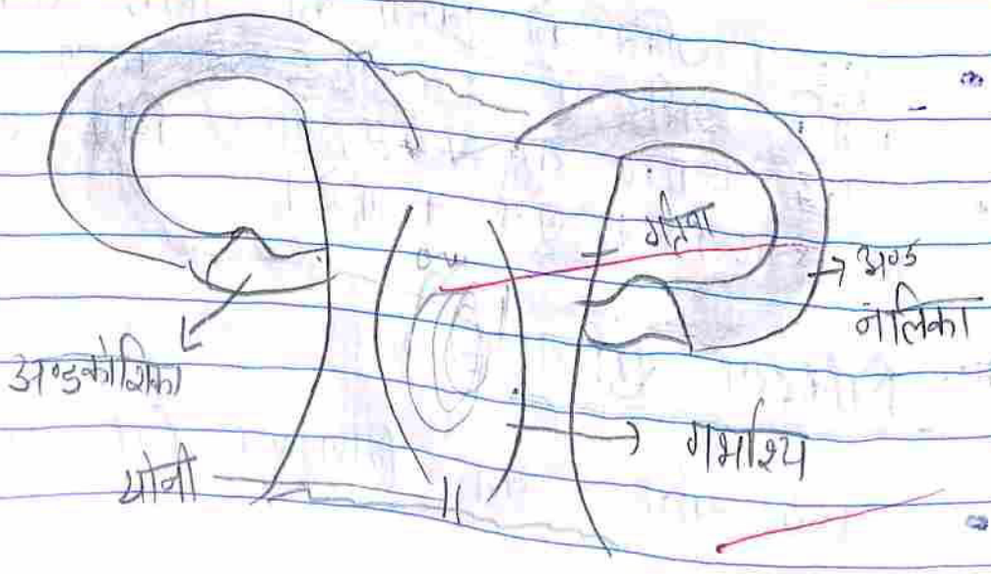
- यह ध्यान रखेंगे कि वृद्ध व्यक्ति का आवास स्थान न अधिक ठंडा व अधिक गर्म हो।
- शान्ति व कोई शोर-शराबा न हो।

(v) आर्थिक सहायता :-

- सेवानिवृत्ति होने के बाद वृद्ध के पास पैसों का अभाव होता है, अतः आर्थिक सहायता प्रदान करेंगे।
- वृद्ध का सम्पूर्ण खर्च के लिए पेंशन की व्यवस्था करेंगे।

अतः उपर्युक्त बिन्दुओं के द्वारा वृद्ध की उचित देखभाल की जा सकती है।

2. स्त्री के आंतरिक प्रजनन अंग :-

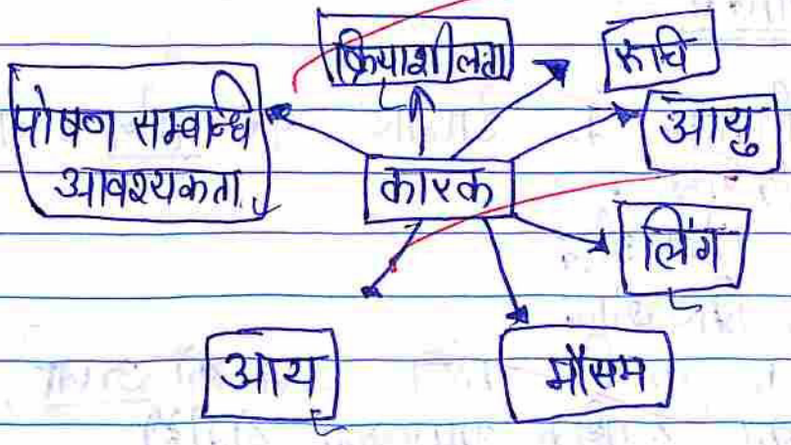


परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

29. आहार आयोजन को प्रभावित करने वाले कारक :-

आहार आयोजन को अनेक कारक प्रभावित करते हैं, इसे प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक निम्न हैं-



(i) पोषण सम्बन्धि आवश्यकता :-

- सभी व्यक्तियों की पोषण सम्बन्धि आवश्यकताएँ भिन्न-भिन्न होती हैं।
- बच्चों को कम पोषण व युवाओं को अधिक पोषिक तत्वों की आवश्यकता होती है।
- शारीरिक श्रम अधिक करने वाले को अधिक पोषिक तत्वों की आवश्यकता होती है।
- महिलाओं को पुरुषों की अपेक्षा कम पोषिक तत्वों की आवश्यकता होती है।

(ii) ~~आय~~ लिंग :-

- लिंग के आधार पर आहार आयोजन प्रभावित होता है।
- स्त्री को कम व पुरुष को अधिक भोजन

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

की आवश्यकता होती है।

- लिंग आहार आयोजन को प्रभावित करता है।

(iii) क्रियाशीलता :-

- क्रियाशीलता के आधार पर तीन भाग हैं:
(क) कम क्रियाशील
(ख) मध्यम क्रियाशील
(ग) अधिक क्रियाशील
- अधिक कार्य करने वाले को ऊर्जा, वसा, आदि की अधिक आवश्यकता होती है।
- कम क्रियाशील को कम ऊर्जा व पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है।

(iv) आय :-

- आय आहार आयोजन को प्रभावित करती है, कम आय वाले परिवार को सस्ते पदार्थों से ही आहार आयोजन करना पड़ता है।

	कम आय	अधिक आय
(i)	भीगी दालों को अंकुरित करना।	बाजार से मांस व अण्डे भोजन में शामिल करना
(ii)	हरी सब्जियों के पत्तों का उपयोग करना	महंगी व उच्च गुणवत्ता की सब्जीयों का उपयोग
(iii)	मौसमी फल उपयोग	पौष्टिकता युक्त महंगे फल

ISSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(v) आयु :-

- भिन्न-भिन्न आयु के व्यक्तियों को अलग-अलग पौष्टिक तत्वों की आवश्यकता होती है।
- कम आयु वाले बच्चों को कम भोजन व प्रोटीन की अधिक आवश्यकता होती है।
- युवा व प्रौढ़ व्यक्तियों की शारीरिक संरचना के अनुसार अधिक वसा व ऊर्जा की आवश्यकता होती है।

30. कला के तत्व :-

नमूना बनाते समय हम कला के निम्न तत्वों का उपयोग करेंगे -

कला के तत्व

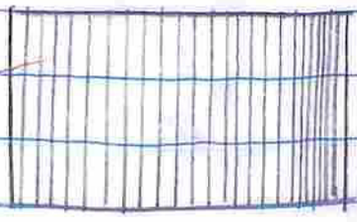
↓

रेखा, आकार, रंग, बनावट

(i) रेखा :-

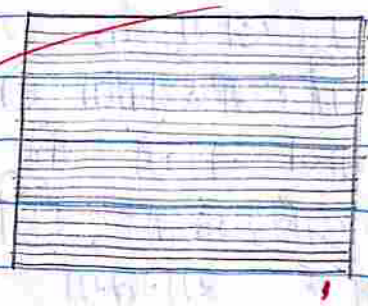
रेखा चार प्रकार की होती है, ये वस्त्र पर अत्यंत आकर्षक लगती है।

(क) लम्बवत रेखा :-

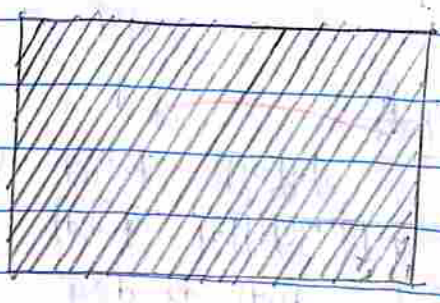


परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(ख) समतल रेखा :-

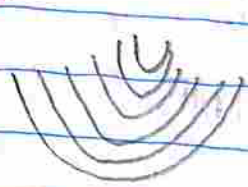


(ग) तिरछी रेखा :-



BSER-167/2020

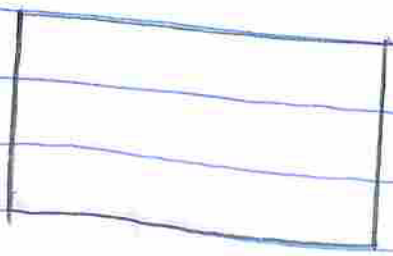
(घ) वृत्ताकार रेखा :-



(ii) आकार :-

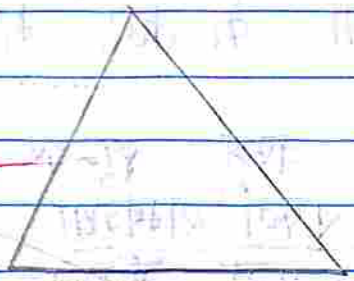
आकार चार प्रकार का है, ये वस्त्र पर अत्यंत आकर्षक लगता है।

(क) वर्गाकार :-

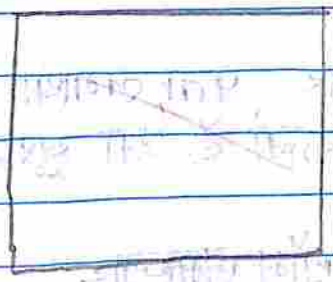


परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(ख) त्रिभुजाकार :-



(ग) आयताकार :-



(घ) वृत्ताकार :-



(iii) रंग :-

वस्त्र पर रंग आकर्षक लगते हैं व सौंदर्य शालीनता के प्रतीक हैं। विभिन्न प्रकार के रंग निम्न हैं।

रंग	प्रभाव
(i) लाल	खतरा सूचक
(ii) सफेद	शान्त
(iii) हरा	प्रसन्नता, ताजगी
(iv) नीला	शालीनता, सौंदर्य
(v) पीला	आकर्षण, सौन्दर्य
(vi) काला	शान्ति व सभ्यता

ESER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(iv) बनावट :-

• कला के तत्वों में बनावट का महत्त्वपूर्ण स्थान हैं।
• बिना बनावट वस्त्र सुन्दर व आकर्षक नहीं लगता.
• वस्त्र का स्पर्श सम्बन्धी गुण बनावट हैं।
• बनावट का पता निम्न प्रकार से लगाया जा सकता हैं -

(क) छूकर
(ख) देखकर

अर्थात- देखकर पता लगाया जा सकता हैं कि बनावट की सतह चिकनी है या खुरदरी।

5. किशोरावस्था की यौन समस्या :-

किशोरावस्था की यौन समस्याएँ निम्न हैं -

(i) अधिकांश किशोरों को यौन के बारे में जानकारी का अभाव होता है, इसलिए यौन समस्याएँ उत्पन्न होती है.

• जननांगों में परिवर्तन :-

किशोर के जननांगों में परिवर्तन यौन के विकास का सूचक है।

• भ्रम :-

अब किशोरों को यौन के बारे में जानकारी देना वृद्ध लोग अपराध मानते हैं। इसलिए किशोर यौन को लेकर भ्रम में रहते हैं।

• दिवास्वप्न व रक्तस्राव :-

यौन विकास में किशोर दिवास्वप्न देखने लगते हैं व किशोरियों में रक्त स्राव प्रारम्भ होता है।

ISER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

14. **भय व आकुलता में अंतर :-** भय व आकुलता में निम्न अन्तर है :-

क्रम	भय	आकुलता
(i)	भय वास्तविक घटनाओं के कारण उत्पन्न होता है।	आकुलता कल्पनाओं पर आधारित होती है।
(ii)	भय साँप, व जन्तुओं जीवों आदि के कारण उत्पन्न होता है।	आकुलता परीक्षा परिणाम, टीचर की डाँट, कार्यक्रम से पहले, भाषण देने में झीझक के कारण उत्पन्न होती है।
(iii)	भय के कारण शरीर जड़त्व होकर पीला पड़ जाता है।	आकुलता का शरीर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

26. **संदूषित जल से उत्पन्न होने वाले रोग :-** संतुलित जल से उत्पन्न होने वाले प्रमुख रोग व उनके लक्षण कारण निम्न है। -

क्रम.	रोग	कारण	लक्षण
(1)	हैजा	• जल के साथ अनेक जीवाणुओं का शरीर में प्रवेश.	तेज बुखार, बदन दुखना

BSEB-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या		परीक्षार्थी उत्तर		
		(ii)	टायफाइट	खाँसी, ~~जुकाम~~ ~~कोरोना वायरस~~ खाँसी, जुकाम, सर्दी	गला खराब होना, तेज बुखार आना, बोलने में कठिनाई होना।
		(iii)	नाइ	जल के साथ नाइ नामक जीवाणु का प्रवेश	पाचन तंत्र में गड़बड़, पेट खराब होना नाइ के कारण पेट में कीड़े हो जाते हैं।

5. भारतीय खाद्य अधिनियम - F.S.S.A.I.

8.